programmes for foundation and certified seeds for the coming seasons. At the meeting of the Regional Managers held in August 1974, the production programmes were finalized. Apart from the finalisation of these production programmes, this meeting also discussed the changes that would be neeessary in the staffing pattern and other facilities. The management of the Corporation is taking action on the decision; of the meeting. No specific recommendations have been referred to the Government.!

भारतीय डेरी निगम का कार्यकरण

317. श्री राजनारायण :

श्री भूपेन्द्र नारायण मंडल :

क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को विदित है कि भारतीय डेरी निगम के कार्यकरण में बहुत अधिक अनियमितताएं हो रही हैं;

(ख) क्या सरकार ने इस सम्बन्ध में कोई जांच की है; और

(ग) यदि हां, तो निगम के कार्यकरण में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयत्न किये जा रहे हैं ?

***1* [Working and functioning of the Indian Dairy Corporation**

317. SHRi RAJNARAIN:

SHRl B. N. MANDAL:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware of ihe serious irregularities being committed in the working and functioning of the Indian Dairy Corporation;

(b) whether Government have made any enquiry into the matter; and

(c) if so, what efforts are being made by Government to improve the functioning of tbe Corporation ?]

कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय में उपमंत्री (श्री प्रभुदास पटेल) : (क) जी नहीं।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PRABHUDAS PATEL): (a) No Sir.

(b) No Sir.

(c) Does not arise.]

इंडियन कौंसिल आफ मेडिकल रिसर्च में नयी शोध नीति

318. श्री राजनारायण :

श्री भूपेन्द्र नारायण मंडल :

क्या स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इण्डियन कौंसिल आफ मैडिकल रिसर्च एक नई नीति अपनाने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस योजना पर कुल कितना धन व्यय होगा ?

t[New Research strategy of I.C.M.R.

318. SHRI RAJNARAIN:

SHRI B. N. MANDAL:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Council of Medical Research propose to adopt a new research strategy;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what would be the total expenditure on the scheme ?]

t[ ] English translation.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० के० एम० इसहाक) : (क) जी हां।

(ख) इसका ब्यौरा संलग्न नोट में दिया गया है।

(ग) इन योजनाओं पर 1974-75 में कुल 34 लाख रुपये का अतिरिक्त खर्च होने का अनुमान है।

विवरण

जीव चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में तात्कालिक राष्ट्रीय महत्व के क्या-क्या विषय हैं उनका पता लगाना इस परिषद् का भविष्य में मुख्य काम होगा। इन क्षेत्रों का पता लगाने के बाद यह परिषद् की ड्यूटी होगी कि वह राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान परियोजनाओं की रूप रेखा बनाए ताकि इन समस्याओं का व्यावहारिक और उचित समाधान हो सके। राष्ट्रीय संस्थानों में किए जा रहे मौलिक पहलुओं पर बुनियादी अनुसंधान कार्यों को कुछ हद तक सहायता दी जायेगी। इसी प्रकार भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा दी जाने वाली अनुसंधान शिक्षा वृत्तियों में से कुछ स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी अध्ययनों के लिए होंगी।

उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र

1. चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में राष्ट्रीय महत्व के जो कुछेक विषय हैं वे हैं—मलेरिया, कुष्ठ, हैजा और फाइलेरिया।

2. जनन नियंत्रण सम्बन्धी अनुसंधान के क्षेत्र में अरबी से तैयार होने वाले खाए जाने वाले गर्भ निरोधकों के संश्लेषण, अल्पपोषित महिलाओं को खाए जाने वाले गर्भ निरोधकों की वास्तव में कितनी खुराक दी जाएं उसका निर्धारण तथा पोषण और जनन क्षमता में परस्पर सम्बन्ध की समस्या पर अध्ययन करने पर बल दिया जाएगा।

3. कुपोषण लोगों के स्वास्थ्य पर निरन्तर बुरा प्रभाव डालने वाला एक प्रमुख कारण है और इसकी समस्याओं की ओर ध्यान दिया जाएगा।

4. चिकित्सा सुविधाएं देने की प्रणाली पर अनुसंधान करने की आवश्यकता है।

5. औषधि परीक्षण और औषधि विषविज्ञान तथा औषधि जैव अन्वेषण में सुधार करने सम्बन्धी योजनाएं चलाई जाएंगी।

परियोजनाएं तैयार करना

इन कार्यक्रमों को तैयार करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि बुनियादी अनुसंधान कार्यों की भी उपेक्षा न हो और देश की स्वास्थ्य सम्बन्धी मुख्य समस्याओं का व्यवहारिक और उचित समाधान खोज निकालने पर बल दिया जाए।

मेडिकल कालेजों में अनुसंधान

इस परिषद् ने अनेक मेडिकल कालेजों को चिकित्सा अनुसंधान के मुख्य कार्य में एक जुट होकर काम करने के लिए प्रोत्साहन देने की दिशा में बहुत से कदम उठाए हैं।

अन्य वैज्ञानिक एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य-करना

भारतीय अनयुविज्ञान अनुसंधान परिषद् और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् आदि। जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों के बीच संयुक्त सलाहकार समितियां बनाने का विचार है ताकि उनके कामों में समन्वय स्थापित किया जा सके और उनके साधनों का अधिक से अधिक उपयोग हो सके।

f[THE DEPUTY MINISTER OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI A. K. ISHAQUE) : (a) Yes.

(b) The details are as in the attached note.

(c) The total additional expenditure of these schemes during 1974-75 is estimated to be Rs. 34 Jakhs.

Statement

A major responsibility of the Council in future will be to identify Ihe areas in the field of biomedical and public health research of immediate national importance. j Having identified these areas, it will be the

t[ ] English translation.

duty of the Council to formulate, on a national basis, research projects designed to provide practical and feasible solutions to such national problems. Basic research on fundamental aspects in the national institutes will be supported to a limited extent. Similarly a small proportion of research fellowships offered by the ICMR will be for basic studies related to health.

High Priority Areas:

1. A few major areas of national seeds in medical research are Malaria, Leprosy, Cholera and 'Filariasis'.

2. In the field of research on fertility control emphasis will be on synthesis of oral contraceptives from Indian yams, determination of actual dose-schedule of oral contraceptives in under-nourished women and study on the problem of inter-relationship between nutrition and fertility.

3. Malnutrition continues to b: a major factor affecting public health and attention will be paid to problems in this area.

4. There is need for researches on health delivery systems.

5. Schemes for improvement in drug testing and drug toxicology and investigation of bio-availability of drugs would be undertaken.

Formulation of projects :

In the formulation of thesfc programmes, the major consideration has been that while basic research should not be neglected, the main thrust must be towards discovering practical and feasible solutions to the major health problems facing the country.

Research in Medical colleges :

The Council has initiated a number of steps for mobilising energising and enthusing the large body of medical colleges into joining the mainstream of medical research.

Collaboration with oiher scientific agencies :

To coordinate and make optimum use of resources joint advisory committees are proposed between ICMR and other Government agencies like ICAR, CSIR etc.]

Indian drug for the treatment of Cancer

319. SHRIMATI MAIMOONA SULTAN : Will ihe Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state :

(a) whether it is a fact that two doctors of the Chittaranjan Cancer Hospital, Calcutta have discovered a drug to effectively treat cancer.

(b) if so, what are the details of the tests so far carried out and with what results;

(c) whether the doctors had been invited by the International Cancer Research Conference Committee, Florence, to whom the"^ findings with regard to the tests carried out on the drug have been sent; and

(d) whether the said Committee is in agreement with the findings with regard Io the effectiveness of drug ?

THE DEPUTY MINISTER OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI A. K. M. ISHAQLE): (a) and (b) Research and clinical trials on human patients with a preparation of selected salts under the name 'Sicafek' is being carried out in the Chittaranjan National Cancer Research Centre, Calcutta. The result* «>f therapy is being evaluated and it is too early to claim discovery of a cancer cure. i

(c) and (d) The doctors were requested to present their papers orally in the conference. It is not known whether the International Cancer Research Conference Committee Ls in agreement with the findings with regard to the effectiveness of drag.